पर अथवा इससे कम दरों पर भी मजदूर काम करने को तैयार रहते हैं। लेकिन उन्हें रोजगार नहीं मिलती इस प्रकार अनैच्छिक बेरोजगार श्रमिकों की इच्छा के विरुद्ध ऊपर लादी गई बेरोजगारी है, प्रो. केन्स के अनुसार अनैच्छिक के विरुद्ध बेरोजगारी वह अवस्था है जिसमें कोई व्यक्ति प्रचलित वास्तविक मजदूरी से कम वास्तविक मजदूरी पर भी काम करने के लिए तैयार रहता है भले ही वह कम नकद मजदूरी पर काम करने के लिए तैयार हो जाता हो,"

पूर्ण प्रतियोगिता के अन्तर्गत मूल्य निर्धारण कैसे होता है,

पूर्ण प्रतियोगिता बाजार में कीमत निर्धारण मांग एवं पूर्ति शक्तियों द्वारा होता है जिसे पूर्ण प्रतियोगिता में उद्योग का कीमत निर्धारण कहा जाता अर्थात पूर्ण प्रतियोगिता में वस्तु की कीमत का निर्धारण उद्योग द्वारा किया जाता है पूर्ण प्रतियोगिता में उद्योग द्वारा निर्धारित कीमत को प्रत्येक फर्म कीमत प्राप्तकर्ता होता है,

पूर्ण प्रतियोगिता बाजार में समरूप वस्तु और बड़ी संख्या में फर्मों का पाया जाना इन ही विशेषताओं के कारण फर्म वस्तुओं को एक समान ही कीमत रखती है,

प्रत्येक फर्म समूचे उद्योग द्वारा निर्धारित बाजार कीमत को स्वीकार करती है, इसलिए यह कहा जाता है कि पूर्ण प्रतियोगिता के तहत एक फर्म कीमत ग्रहण करने वाली होती है कीमत निर्माता नहीं चूंकि एक फर्म कीमत ग्रहण करने वाली होती है अतः पूर्ण प्रतियोगिता में एक फर्म का माँग वक्र पूर्णतया लोचदार होता है।

Qn: 12 केन्द्रीय बैंक के कौन से कार्य है?

Ans- केन्द्रीय बैंक के कार्य :-

(I) नोट जारी करना (II) सरकार का बैंक
(III) बैंकों का बैंक (IV) बैंकों का निरीक्षण
(V) अंतिम ऋणदाता (VI) समाशोधन गृह का कार्य
(VII) आँकड़े इकट्ठा करना

Qn: 13 भुगतान संतुलन के प्रतिकूल होने के कारण

(1) आर्थिक कारक
(2) वृहद् स्तर पर आयात
(3) अर्थव्यवस्था में तेजी या मंदी
(4) कीमतों में वृद्धि के कारण आयात में वृद्धि
(5) लागत - संरचना में परिवर्तन
(6) राजनीतिक कारक
(i) राजनीतिक अस्थिरता के कारण देश की पूँजी का पलायन

Scanned with CamScanner